स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ०३ वि.सं. २०८३ सावन ०३ गते अटवर थारु सम्वत (२६४९) [Sunday 19 July 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

२६ औं मुक्तकमैया दिवस

राज्य मुक्तकमैयाहुकनहे सौटेली व्यवहार करल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी २ सावन । मुक्त कमैयाहुँके शनिच्चरके रोज २६औं मुक्ती दिवस मनैले बटै ।

मुक्तकमैया समाज कैलालीके आयोजनामे धनगढी उपमहानगरपालिका नगर अध्यक्ष राम प्रसाद चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रम निवर्तमान भुमि व्यवस्था तथा कृषि सहकारी मन्त्री विरबहादुर थापा प्रमुख अतिथि रहल रहिट ।

कार्यक्रममे उहाँ मुक्तकमैयाहुँकनहे पुनर्स्थापना कैना अन्तिम विकल्प जहाँ बैठल बटै, उहे ठाउँके लालपुर्जा डेहे पर्ना बटैलै। मुक्तकमैया, कमलरीहुँकनहे पुनर्स्थापना करेक लाग प्रदेश सरकार प्रयास करल बटैलै ।

मुक्तकमैया समाजके केन्द्रीय अध्यक्ष पशुपति चौधरी मुक्तकमैयाहुकनहे पुनर्स्थापना कैनामे वेवास्ता करल बटैलै । लालपुर्जा नैपैलक मुक्तकमैयाहुँक दोजर आतन्तकमे परल बटैलै ।

मुक्तकमैया रलक जिल्लामे अभिन २ हजार ३ सय ७५ जाने अभिन पुनर्स्थापनाके असरामे बैठल बटै । मुक्त कमैया समाजके तथ्याङक अनुसार कञ्चनपुरसे दाड जिल्लामे ओटरा मुक्त कमैया अभिन पुनर्स्थापनाके असरामे बैठल हुइट ।

२०५७ साल सावन २ गते कमैया मुक्ती घोषणा करल रहे । जौन अब्बे २५ बरस विटल मने सुदूरपश्चिम प्रदेश अभिनसम अभिनसम १ हजार ८२ जाने मुक्तकमैयाहुँक परिचय पाक पुनर्स्थापनासे बञ्चित रहल मुक्तकमैया समाज जनैलै ।

समाजके केन्द्रीय अध्यक्ष पशुपति चौधरीके अनुसार कैलाली जिल्लामे ९ हजार ७६२ मुक्तकमैया रहलमे ८ हजार ९७५ जनहनहे परिचयपत्र देहलमे मने जग्गा पाइल मुक्तकमैयाभर ८ हजार २२ जाने केल्ह रहल बाट ।

वसहेक कञ्चनपुरमे ४ हजार ५०६ जाने मुक्तकमैया रहलमे ४ हजार ४१८ जनहनहे परिचयपत्र डेहल बा, ओम्नसे जग्गा पाइल मुक्तकमैया ४ हजार २८९ केल रहल बाटै । चार सय मुक्तकमैयाहे आकाशे कित्ता, १७३ जनहनके मुक्तकमैयाके तथ्याङकसे हटाइल बा ।

कलेसे कैलालीमे ९५३ ओ कञ्चनपुरमे १२९ जाने, दाडमे ४८ जाने पुनर्स्थापना बाँकी बाटै । बर्दियामे सबसे ढेर १२ सय ४५ जाने मुक्तकमैया पुनर्स्थापनासे वञ्चित केन्द्रीय अध्यक्ष बटैलै ।

कमैया प्रथा उन्मुलन समाजके अध्यक्ष सीताराम चौधरी अपन कमैया मुक्ती तथा पुनर्स्थापनाके लाग नम्मा समयसम आन्दोलन करल मने अपने न जग्गा, परिचयपत्र पाइल बटैलै ।

कार्यक्रममे बार एशोसियसन कैलालीके अध्यक्ष नाथुराम महतों, राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगके प्रकास दत्त भट्ट, फुकमैया समाजके प्रदेश अध्यक्ष, चन्द्र चौधरी, इन्सेकके प्रतिनिधि मैनामोती, गैसस महासंघ कैलालीके सचिव नरेश ओझा, याक नेपालके पवित्रा भट्ट, वाल संरक्षण समाजके अध्यक्ष हिरामोती चौधरीलगायत मन्तव्य राखल रहिट । कार्यक्रमके संचालन बुद्धिराम चौधरी करल रहिट ।

मुक्तकमैया दिवस कैलाली जिल्लाके दुई पालिका बाहेक ११ पालिका ओ कञ्चनपुरमफे कमैया मुक्ती दिवस मनागिल बा ।

कृष्णसारके सङ्ख्यामे साढे सात गुणासे बह्लै

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशके प्रमुख पर्यटन गन्तव्य शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे दुर्लभ कृष्णसारके सङ्ख्यामे बह्ल बा ।

स्थानान्तरण करके ल्याइल संरक्षण करल छोट समयमे कृष्णसारके सङ्ख्यामे साढे सात गुणासे बह्ल हो । कृष्णसार व्यवस्थापनके लग निर्धारण करल क्षेत्रके तुलनामे सङ्ख्या ढेर हुइलपाछे व्यवस्थापन, संरक्षण लगायत समस्या हुइल बा ।

निकुञ्ज कार्यालयके अनुसार ४२ से इ निकुञ्जमे हाल ३१३ ठो कृष्णसार पुरसेकल बटै । वयस्क भाले ८१, अर्ध वयस्क भाले २०, वयस्क पोथी १०२, अर्ध वयस्क पोथी २६ ओ बच्चा ८४ ठो रहल जनैले बा । सन २०१२ मे टमान स्थानसे ल्याइल ४२ ठो कृष्णसार ओ मैदानमे छोडल रहे ।

१९६० के दशकमे शुक्लाफाँटाके हिरापुर क्षेत्रमे कृष्णसार देखा परलके स्थानीयके कहइहे आधार मान्के यहाँ कृष्णसार बाँच्न सेक्ना निष्कर्ष निक्रल रहे ।

ओकरपाछे सदर चिडियाखानासे बा ओ नेपालगञ्ज मिनी चिडियाखानासे २२ करके पहिल पटक २८ ठो कृष्णसार हिरापुरमे ल्याइल छोडल रहे । २०१५ मे बर्दियाके खैरापुरसे थप १४ ठो कृष्णसार शुक्लाफाँटामे स्थानान्तरण करल रहे ।

अब्बे सङ्ख्या ढेर हुइल व्यवस्थापनमे समस्या हुइल रहल निकुञ्जके सूचना अधिकारी सहायक संरक्षण अधिकृत पुरुषोत्तम वाग्ले बटैलै । "क्षेत्र साँकिर हुइटी बा", उहाँ कहलै ।

वाग्लेके अनुसार एक ठो क्षेत्रके कृष्णसारबिच 'ब्रिडिङ' हुइलमे उहाँहुकनके 'जिन' (बाँकी ३ पेजमे)

धनगढी उपमहानगरपालिकासे ऐश्वर्य विद्या निकेतन परिसरमे वृक्षारोपण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २ सावन । धनगढी उपमहानगरपालिकासे सञ्चालन हुइटी रहल विद्यालय वृक्षारोपण कार्यक्रम अन्तर्गत वडा नं. ५ स्थित ऐश्वर्य विद्या निकेतन विद्यालयके प्राङ्गणमे २४ ठो बोटबिरुवा टिगार्ड सहित लगाइल बा ।

कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यालय क्षेत्रहे हरियाली, स्वच्छ , शितलता ओ वातावरणमैत्री बनैना उद्देश्य राखल बा । वृक्षारोपणसंगे बिरुवाके संरक्षणके लाग टिगार्ड प्रयोग करल उपमहानगरपालिकासे जनैले बा ।

यी अभियानसे विद्यार्थीमे वातावरण संरक्षणप्रति सचेतना अभिवृद्धि कैना अपेक्षा समेत करल बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नं. ८ मे रह धनगढी नमुना प्राविधिक विद्यालयके प्राङ्गणमे ७२ ठो बोटबिरुवा ट्रीगार्ड सहित (बाँकी, ३ पेजमे)

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

........सम्पादकीय

मुक्तकमैया पुनर्स्थापनामे ढिलाई काहे ?

कमैया मुक्ती घोषणाके २६ बरस पुगल मने अभिन ढेर मुक्तकमैया पुनर्स्थापनासे वञ्चित बटै कलेसे मुक्तकम्लरीहुक्रेफे परिचयपत्र पैनासे वञ्चित बटै । सरकार ओ उहाँहुकनविच हुइल सहमति सम्झौता अभिन पुरा नैहुइल हो । मुक्त कमैया ओ कम्लहरीके एकिन तथ्यांक संकलन करके परिचयपत्रके व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा । नेपाल सरकार ओ कम्लहरी प्रथा उन्मुलनके लाग संयुक्त सघर्ष समिति बीच हुइल १० बुंदे सम्झौता कार्यान्वयन करेपर्ना, नेपाल सरकारसे तयार करल मुक्त कम्लहरीके लाग शिक्षा निर्देशिका, २०६८ समयानुकुल परिमार्जन करके तत्काल कार्यान्वयन करेपर्ना, मुक्त कमलहरीके लाग वितरण कैना छात्रवृतिमे समयानुकुल परिमार्जन करके कार्यान्वयनके व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा ।

नेपाल सरकारसे गठन हुइना टमान आयोग, समिति तथा राज्यके हरेक संरचनामे मुक्त कमैया, कमलहरीहुकनके अर्थपूर्ण सहभागिता कराई पर्ना, नेपाल सरकारसे निर्माण करल पुनःस्थापनाके प्याकेज कार्यान्वयन करेबेर मुक्त कमैयाहुकनके सहभागिता ओ स्वामित्व हुइना करके परिमार्जन ओ कार्यान्वयन करेपर्ना माग करटी बटै । हरेक मुक्त कमैया तथा कमलरीके लाग एक घर एक रोजगारीके व्यवस्था करेपर्ना ।

मुक्त कमैयाके छावाछाई ओ कमलहरीहुकनहे उच्च शिक्षा (स्नातकोत्तर) सम ओ प्राविधिक शिक्षा निःशुल्क करके योग्यता अनुसार रोजगारीके व्यवस्था करेपर्ना माग करल बा । मुक्त कम्लहरीके लाग निर्माण करल छात्राबास समय अनुकुल परिमार्जन करके मुक्त कमलहरीके लाग सीपमुलक तालिम ओ आर्थिक सहयोगके व्यवस्था करेपर्ना, नेपाल सरकारसे मुक्त घोषणा करल मुक्त कमैयाके बालबालिका, कमलहरीहुकनके लाग निशुल्क शिक्षाके ब्यवस्था करेपर्ना माग करल बा ।

मुक्तकमैया, कमलरी दुसर देशके नागरिक नैहुइट । संविधानमे हरेक जातजाति वर्ग समुदायके बराबर हकअधिकार रना कहल बा । अभिनसम ढेर मुक्तकमैयाहुक्रे पुनर्स्थापनासे वञ्चित बटै कलेसे शिक्षा, स्वास्थ्यके पहुँचसेफे बञ्चित हुइल अवस्था बा । मुलुक बडलल, व्यवस्था बडलल मने ढेर मुक्तकमैयनके अवस्था नैबडलल, अभिन पुनर्स्थापनाके लाग सडक आन्दोलन कैना बाध्य बटै ।

टबमारे एक फेराके लाग हुइलेसेफे पुनर्स्थापनासे वञ्चित रहल मुक्तकमैयाहुकनके न्यायिक पुनर्स्थापना कैना जरुरी बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर
दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।
सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

किसानके अधिकारके कार्यान्वयन

विचार
नवराज सापकोटा

नेपालके संविधानसे प्रत्येक नागरिकके खाद्य अधिकारहे मौलिक हकमे सुनिश्चित करले बा । खाद्य अधिकार तथा खाद्य सम्प्रभुता ऐनसे यकर कार्यान्वयन करना कानुनी आधार प्रदान करले बा । सबके खाद्य अधिकारके परिपुर्तिके लाग किसान खाद्यान्नके उत्पादन ओ वितरण करेपरठ ।

किसान तथा ग्रामीण क्षेत्रमे कृषि, पशुपालन, माछापालन ओ अन्य उत्पादनमुलक क्षेत्रमे कार्यरत श्रमिक भर अपन फेन अधिकारसे वञ्चित बटैं । उहाँहुकनके श्रमसे देशके खाद्य प्रणाली चलायमान हुइठ । राज्यके नीति, बजेट ओ कार्यक्रमके प्राथमिकतामे उहाँहुकनके अधिकार प्रायः उपेक्षित बा । कृषि श्रमिकसे कानुनसे तोकल न्युनतम पारिश्रमिकसमेत पाइ सेकल नैहसइटैं । सुरक्षित कार्य वातावरण ओ आधारभुत सुरक्षा सामग्रीके अभाव झेले परल बा । सामाजिक सुरक्षामे पहुँच टे उहाँहुकनके बुतासे भ्यइना विषय बनल नैहो । नागरिकके खाद्य अधिकारहे परिपुर्ति करना खाद्य उत्पादन करना ओ ग्रामीण अर्थतन्त्रके मेरुदण्ड बनल किसान तथा श्रमिकके श्रम, अधिकार ओ सम्मानहे राज्यसे प्राथमिकता डेहे परठ ।

किसान तथा ग्रामीण क्षेत्रमे कार्यरत अन्य व्यक्तिके अधिकारके सम्बन्धमे संयुक्त राष्ट्रसंघसे सन् २०१८ मे घोषणापत्र जारी करले बा । घोषणापत्रके धारा २ से ग्रामीण क्षेत्रमे छोटस्तरके वा परम्परागत कृषि, पशुपालन, चरनमे आधारित पशुपालन, माछापालन, वन व्यवस्थापन, सिकार वा वनजन्य सामग्रीके संकलन तथा कृषि वा कृषिसम्बद्ध पेसासँग सम्बन्धित हस्तकलामे संलग्न कौनो फेन व्यक्तिमे घोषणापत्र लागु हुइना उल्लेख करल बा ।

नेपालके संविधानके धारा ३६ से प्रत्येक नागरिकहे खाद्यसम्बन्धी हक रना, खाद्यवस्तुके अभावमे जीवन जोखिममे परना अवस्थासे सुरक्षित रना हकके व्यवस्था करले बा । प्रत्येक नागरिकहे कानुनबमोजिम खाद्य सम्प्रभुताके हक रना व्यवस्था बा । यी मौलिक हक कार्यान्वयन करना नेपालसे खाद्य अधिकार तथा खाद्य सम्प्रभुतासम्बन्धी ऐन, २०७५ जारी कैके कार्यान्वयनमे नानल बा । यी ऐनसे फेन किसानके परिभाषा करले बा ।

एकओर नेपालमे धान, गहुँ, मकै जैसिन मुलधारके बालीके संरक्षण हुइलेसे फेन कोदो, जौलगायतके रैथाने बालीके संरक्षण ओ प्रवर्धनहे भर राज्यसे उपेक्षा करल डेखाइठ ।

ओस्टेक फेन अइसिन बालीहे ‘उपेक्षित बाली’ कना करल बा । औरेओर कानुनमे जा जैसिन व्यवस्था रलेसे फेन किसानके अधिकारहे भर नेपाल पर्याप्त रूपमे प्राथमिकता डेहे सेकल नैडेखाइठ ।

किसान तथा ग्रामीण क्षेत्रमे काम करना व्यक्तिके अपन मेरिक पीडा बा । श्रम ऐनके प्रावधान उहाँहुकनके लाग लागु हुइल नैहो । कृषिक्षेत्रमे काम करना श्रमिकके ज्याला तोकल नैहो । ज्याला नैतोक्के उहाँहुक्रे पैना ज्यालामे एकरूपता हुइल नैपाजाइठ । काम करना श्रमिक समयमे ज्याला फेन नपैठैं । आज कमाके आज खाइपरना बाध्यता रहल कृषि श्रमिक तत्काल ज्याला नैपाके समस्या हुइना करल बा ।

कृषि क्षेत्रमे काम करना व्यक्तिके हाजिरीलगायतके अभिलेख ढरना प्रचलन नैहो । टबेमारे काम करल घण्टाके हिसाब करना, कार्य दिन हिसाब करनालगायतके विषयमे फेन समस्या बा ।

अन्य क्षेत्रमे काम करना महँगीहे सम्बोधन करना राज्यसे बेला बेलामे विशेष व्यवस्था करना करल रहठ मने कृषि श्रमिकके हकमे भर महँगी बढ्ल अनुसारके ज्यालामे फेन पुनरवलोकन

> यद्यपि अइसिन गौरवपूर्ण उपलब्धि रलेसे फेन सूचना व्यवस्थापनके क्षेत्रमे कुछ चुनौती भर कायम बा। पुस्तकालयहे अभिन फेन परम्परागत ओ सीमित दायराके काम मन्ना पुरातन सोचके कारण कुछ संस्थामे दक्ष जनशक्तिके सट्टा सिप नैरहल कर्मचारीहे पुस्तकालयके जिम्मेवारी डेना प्रवृत्ति डेखाइठ। अइसिन कार्यसे संस्थाके सूचना प्रणालीहे व्यवस्थित करना बाधा पुगल बा। यी पेसाके कार्यक्षेत्रहे समेत संकुचित बनाइल बा। विभागके आबके भूमिका केवल दक्ष जनशक्ति उत्पादनमे किल नैहोकि, पुस्तकालय ओ सूचना व्यवस्थापनहे संस्थाके ‘रणनीतिक आधारशिला’ के रूपमे स्थापित करना आवश्यक नीतिगत पैरवी ओ सचेतना विस्तारमे फेन केन्द्रित हुइपरना बा। नान्जिङ हत्याकाण्डके उदाहरणसे स्पष्ट पारल जस्टे सूचना व्यवस्थापन केवल एक प्रशासनिक वा प्राविधिक कार्य किल नाइहो; यी टे इतिहास, सत्य ओ मानवताके रक्षा करना एक अपरिहार्य आधारशिला हो। जैसिक जोन राबेके दैनिकीसे एक निर्मम इतिहासके साक्षी बोकल रहे, ओस्टेक आजके हरेक संस्थागत अभिलेख ओ डिजिटल सूचनासे काल्हके पुस्ताके लाग सत्यके दस्तावेज निर्माण करटि रहठ।

नैहुइठ । टबेमारे उहाँहुकनहे बालबच्चाके स्कुलके खर्च, खानालगायत जीवनयापनके अन्य सामग्रीके खर्च धन्ना मुस्किल हुइना करल बा । ग्रामीण क्षेत्रमे कृषि श्रमिकहे कामके सिलसिलामे चोटपटक लग्ना करठ मने चोटपटकमे उपचारके प्रबन्ध नैरहठ । कौनो फेन मेरिक दुर्घटना तथा सुरक्षा बिमाके व्यवस्था राज्यसे करले नैहो । अंगभंग हुइल श्रमिक समेत कौनो फेन मेरिक क्षतिपुर्ति पैले नैहुइटैं ।

काम करेबेर हातगोरमे घाउ हुइठ मने सुरक्षाके उपकरण पन्जा, हेल्मेट, गमबुट, जुत्तालगायत पैना प्रावधान कहुँ फेन नैहो । काम लगैना व्यक्ति फेन सुरक्षाके उपकरण नैडेठैं । अपन सुरक्षाके लाग कोइ कोइ अप्नही किनके प्रयोग करठैं । कुछ स्थानीय तहसे सञ्चालन करल स्वरोजगारके कार्यक्रममे फेन सुरक्षा सामग्रीके व्यवस्था नैरहल श्रमिकके गुनासो बा ।

संविधानसे समानताके अधिकार प्रदान करले बा मने समान काममे महिला ओ पुरुषबिच भेदभाव हुइना करल तथा समान ज्याला पैना करल नैहुइटैं । कुछ टे ठाउँविशेषके प्रचलन बा । काठमाडौँके शंखरापुरमे काम करना एक महिलाहे समान काममे फेन सात सय रुपियाँ मने पुरुषहे भर एक हजार चार सय रुपियाँ डेना प्रचलन बा । ओम्ने फेन उहाँहुक्रे दिनभर काम करेपरठ । श्रम ऐनके प्रावधान अनुसार आठ घण्टा काम करना व्यवस्था कृषि क्षेत्रमे लागु हुइल नैहो । महिलाहे जीवन गुजाराके लाग महिनावारीके समयमे फेन शारीरिक श्रम करेपरके अप्ठ्यारो हुइना करल बा ।

नेपाल पक्ष राष्ट्र रहल महिलाविरुद्ध हुइना सब मेरिक भेदभाव उन्मुलन करना महासन्धि (१९७९) से पुरुष ओ महिलाके समान अधिकारहे सम्बोधन करले बा । यम्ने ग्रामीण क्षेत्रके महिलाके लाग विशेष अधिकार समावेश हुइल बा । उहिनसे पुरुष ओ महिलाके समानताके आधारमे ग्रामीण विकासमे सहभागी हुइना ओ लाभान्वित हुइना अधिकार सुनिश्चित करठ । महासन्धिसे ग्रामीण महिलाहे आर्थिक अवसर ओ विकास कार्यक्रममे समान पहुँच प्राप्त करना तथा भुमि ओ कृषि सुधार कार्यक्रममे साथे भुमि पुनर्वास कार्यक्रममे फेन समान व्यवहार प्राप्त करना अधिकार प्रदान करले बा । व्यवहारमे भर यकर कार्यान्वयन हुइल नैहो ।

कुछ स्थानमे तथाकथित भारी ओ छोट जातके आधारमे फेन श्रमिक जातीय भेदभाव अनुभव करना करल बटैं । स्थानीय तह फेन किसानके ज्याला, कृषि क्षेत्रमे हुइना जातीय विभेदलगायतके विषयमे खास चास डेहल ओ प्राथमिकतामे परल नैडेखाइठ । बारालगायतके तराईके कुछ जिल्लामे काम करना कृषि श्रमिकके अनुसार कृषि श्रमिकहे घण्टाके १५० रुपियाँके दरसे फेन ज्याला डेना करल बा ।

ओस्टेक सुदूरपश्चिमके डडेल्धुरा आसपासके जिल्लामे असारमे धान लगाइलबापतके ज्याला अगहनमे एक नाङ्लो धान ओ एक भारी पैरा डेना प्रचलन अभिन फेन कायम बा । विशेष कैके आर्थिक अवस्था कमजोर रहल वर्गके मनै श्रम करलबापत अइसिन मेरिक ज्याला पैठैं । ठेकेदारमार्फत काम करना कृषि श्रमिकहे कुछ ठेकेदार ठगके भग्ना करल बटैं ।

किसानहे जलवायु परिवर्तनके असरसे फेन प्रतिकूल प्रभाव परल बा । खेतीपाती करना याममे पानी नैपरके सिँचाइलगायतके समस्या, अतिवृष्टि, अनावृष्टिलगायतसे अइना विपत्जन्य जोखिमसे पहाडी इलाकामे खेतीबाली नष्ट हुइना, खेतबारी बहाके लैजैना तथा तराई क्षेत्रमे डुबानके कारण सयौँ बिघामे लगाइल तरकारी, अन्न बालीलगायत नष्ट हुइना जैसिन मार फेन हरेक वर्ष किसान भोग्टि आइल बटैं ।

यहोर खाद्य अधिकार तथा खाद्य सम्प्रभुता ऐनसे दफा १३ मे कृषि पेसाके संरक्षण ओ किसानके जीवनस्तरके प्रवर्धन अन्तर्गत कृषि तथा खाद्य उत्पादनके क्षेत्रमे लगानी अभिवृद्धि करना, खाद्य उत्पादनमे उन्नत प्रविधि, वातावरणमैत्री मल, बिउके टमान मेरिक, जीवनाशक विषादी वा कृषि सामग्रीके दिगो प्रयोग तथा पहुँचहे विस्तार करना, बिउ बाली वा पशुपन्छी बिमामे किसानके सरल तथा सहज पहुँचहे विस्तार करना, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, खडेरीलगायत मौसमके बारेमे पुर्वसुचना डेना प्रणालीके विकास करनालगायतके १५ मेरिक सुरक्षा ओ प्रवर्धनके विषय उल्लेख बा ।

ग्रामीण समुदायके मनै कुछ स्थानमे खेतीपाती करे छोरल ओरसे विस्तारित जंगललगायतके कारण गाउँ छिरल जनावर बालीनाली नष्ट करल ओरसे फेन किसान मारमे परल गुनासो करठैं । राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा मध्यवर्ती क्षेत्रमे बसोबास करना नागरिकके अपन मेरिक पीडा बा । जंगली जनावरसे बालीनालीमे कैडेना क्षतिसे ऐलानी पर्ती जग्गामे खेती कैके जीवन निर्वाह करना किसान यकर प्रत्यक्ष मारमे परल बटैं । काहेकि नेपालमे अइसिन मेरिक स्वामित्व नैहोके जग्गाके बालीनाली नष्ट हुइलमे क्षतिपूर्ति डेना कानुनी प्रावधान नैहो ।

नेपालमे कृषि श्रमिकके अधिकार ओ गुनासो श्रम कार्यालय, न्यायिक समिति ओ इलाका प्रशासनसे सुनुवाइ नैहुइल गुनासो बा । ग्रामीण अर्थतन्त्रके मेरुदण्ड रहल यी श्रमिकके समस्या समाधानके लाग श्रम कानुनमार्फत सम्बोधन करना आवश्यक बा । यकर लाग सबसे लग्गेक सरकार अर्थात् स्थानीय तहसे छुट्टे डेस्क खडा कैके उहाँहुकनके उजुरी सुन्ना नीतिगत व्यवस्था करे परठ ।

राज्यसे खाद्य उत्पादक किसान ओ श्रमिकके श्रम, अधिकार तथा सम्मानके संरक्षण ओ प्रवर्धन कैके किल नागरिकके खाद्य अधिकार सुनिश्चित हुइ सेकि ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
बैंक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बंग्लादेश बैंक ०९१-५२१७८५
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
[illegible]
ईप्रका प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
कृषि विकास बैंक ०९१-५२९२३५
बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

कमैया मुक्तिके २६ बरस : समस्या जहाँके टहीं

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २ सावन । कैलालीके गोदावरी नगरपालिका–१ विजयपुर शिविरके २२ मुक्तकमैया परिवार दुई दशकआघे एकठो लावा जीवनके सपना डेखल रहिट ।

सरकारसे कमैया मुक्तिके घोषणा करलसँगे अपने घर, अपने जमिन ओ सम्मानजनक जीवन पैना उहाँहुक्रनके विश्वास रहे ।

सरकारसे उहाँहुक्रनहे जग्गाके लालपुर्जा फेन डेहल, मने ओकर श्रेस्ता कायम नैहुइल । ओट्टनसे यहाँर मालपोत कार्यालय जाइट जाइट वर्षौं बिटल, समस्या भर जहाँके टहीं बा । "पुर्जा बा, मने श्रेस्ता नैहो । ओहेमारे आपन जग्गा डेखाके कौनो काम करे पाइल नैहुइटी ।", मुक्तकमैया फूलमति डगौरा थारु कहली, "हमार किल नैहोके, अइसीन समस्या ढेर ठाउँमे बावै ।"

फूलमतिके कथा एकठो परिवारके किल नैहो । कमैया मुक्तिके २६ बरस पूरा हुइलेसे फेन सयौं मुक्तकमैया परिवार आभिन पुनःस्थापनाके टमान समस्या भोगटी रहल बटै । कतिपयसँग परिचयपत्र बा, मने पुनःस्थापनामे समेटल नैहो । कतिपयसँग लालपुर्जा बा, मने श्रेस्ता नैहो । कतिपय पाइल जग्गा डुबान ओ लडिया कटानके जोखिममे रहल बा ।

इहे समस्या समाधानके गति आर्थिक वर्ष २०७५/७६ पाछे झन् सुस्त बनल उहँहुक्रनके गुनासो रहल बा । कारण अक्केठो डेखाजाइठ्, विसं २०७५ पाछे संघीय संरचनाअनुसार पुनःस्थापनाके अन्तिम जिम्मेवारी केकर हो कना अन्योल ।

"संघसे जिम्मेवारी प्रदेश ओ स्थानीय तहहे डेहल बटाइठ् । प्रदेशसे स्पष्ट रूपमे आपन दायित्व नैमानठ् । स्थानीय तहसँग न बजेट हो, न जग्गा वितरण कैना अधिकार", मुक्तकमैया अधिकारकर्मी पशुपति चौधरी कहलै, "तीन तहबीच जिम्मेवारी स्पष्ट नैहोके पुनःस्थापनाके बाँकी काम लगभग ठप्प हुइल बा ।"

ऐतिहासिक उपलब्धि

विसं २०५७ सावन २ गते नेपाल सरकारसे अनुचित ऋण (सौकी) मिनाहासहित कमैया मुक्तिके घोषणा कैटी बँधुवा श्रम अन्त्यओर ऐतिहासिक कदम चालल रहे । ओकर एक बरसपाछे जारी कमैया श्रम (निषेध) ऐन, २०५८ से बँधुवा श्रमहे कानुनी रूपमे पूर्ण प्रतिबन्ध लगाइल ।

कमैयाउपरके सक्कु ऋण मिनाहा करगैल । पुरान लिखत ओ सम्झौता स्वतःअमान्य हुइल । सरकारसे पुनःस्थापनाके लाग घर, जमिन, नगद सहायता ओ सीप विकास कार्यक्रम सञ्चालन करल । सरकारी तथ्याङ्कअनुसार दाङ, बाँके, बर्दिया, कैलाली ओ कञ्चनपुरके ३२ हजार ५०९ परिवारहे परिचयपत्र वितरण करल रहे । उ मध्ये पुनःस्थापनायोग्य ठहरल २७ हजार ५७० परिवारमध्ये २७ हजार २१ परिवार घर वा जग्गा प्राप्त करले बटै । २०७५/७६ सम १९ हजार ५३१ जाने टमान सीप तालिम फेन लेले बटै ।"इहीसे हजारौँ परिवारके जीवन बडलल् । काल्ह बँधुवा श्रमिक रहल आज व्यवसायी, जनप्रतिनिधि ओ सामाजिक नेतृत्वमे पुगल बटै", अधिवक्ता बालाराम भट्टराई कहलै, "मने बाँकी रहल समस्या समाधान नैकरेबर इहे उपलब्धिउपर प्रश्न उठ्टी रहल बा ।"

उपलब्धिके चित्र ओ अद्धूरा यथार्थ

सरकारी अभिलेखसे अधिकांश पुनःस्थापनाके काम सम्पन्न हुइल डेखाइठ् । सरकारी तथ्याङ्कअनुसार दाङ, बाँके ओ कञ्चनपुरमे पुनःस्थापनाके काम लगभग ओराइल बा । बर्दियामे कुछ परिवार स्थानीय तहहे हस्तान्तरण करल बावै कलेसे कैलालीमे फेन अधिकांश काम सम्पन्न हुइल दाबी करल बा ।

सरकारी तथ्याङ्कअनुसार उहीसे आघे दाङ, बाँके, बर्दिया, कैलाली ओ कञ्चनपुरके ३२ हजार ५०९ मुक्तकमैया परिवारहे परिचयपत्र वितरण करल रहे । उ मध्ये पुनःस्थापनायोग्य मानल क ओ ख वर्गके २७ हजार ५७० परिवारमध्ये २७ हजार २१ परिवार घर तथा जमिनके सुविधा पासेकल बटै ।

बर्दियामे ३० ओ कैलालीमे २७० सहित ३०० परिवारके काम किल स्थानीय तहमे हस्तान्तरण करल अभिलेख रहल बा । मुक्तकमैया समाजके तथ्याङ्कसे फरक तस्वीर डेखाइठ् ।

समाजके अनुसार पुनःस्थापना योग्य ठहरल परिवारमध्ये फेन सक्कुजाने जग्गा पाइल नैहुइट । जमिन पैना योग्य ठहऱ्याइल २७ हजार ५७० कमैया परिवारमध्ये केवल २५ हजार १९५ अर्थात् ९१ प्रतिशत किल जमिन पैले बटै । यम्ने फेन ६६१ परिवार अनुपयुक्त जग्गा पैले बटै । चार हजार ४६३ परिवार परिचयपत्र पाइल नैहुइट ।

परिचयपत्र पाके फेन पुनःस्थापना प्याकेज नैपउइया चार सय ६३ परिवार बटै । १७३ परिवारके प्रमाणपत्र बदर करल बा । "यकर अर्थ सक्कु प्रमाण साथमे होके फेन नौ प्रतिशत मुक्तकमैया जमिन प्राप्त कैनासे बञ्चित हुइ पुगल बटै । अझ, परिचयपत्र पैना योग्य सक्कु निस्सा साथमे रहल कमैया परिवारके संख्या फेन उल्लेख्य बा", समाजके कैलाली अध्यक्ष चन्द्रप्रसाद चौधरी कहलै, "अक्के मापदण्ड पूरा करल परिवारमध्ये कोइ सक्कु सुविधा पैना ओ कोइ कुछ फेन नैपैना अवस्था न्यायसङ्गत हुइ नैसेकी ।"

२०७५ पाछे काहे रुकल गति

मुक्तकमैया पुनःस्थापनाके अधिकांश कार्यक्रम आर्थिक बरस २०७५/७६ सम सञ्चालन हुइल । ओकरपाछे कार्यक्रम करिब निष्क्रिय बन्टी गैल बावै । राष्ट्रिय दलित नेटवर्कके कार्यकारी निर्देशक हुकुम सार्कीके अनुसार पर्याप्त बजेट रहटी रहटी फेन पुनःस्थापनाके काम स्थानीय तहमे सर्ना निर्णय करगैल, मने ओकर लाग न योजना बनागैल, न आवश्यक तयारी ।

"२०७५/७६ सालके बजेटमे राज्यसे झण्डै पौनै तीन खर्ब बरोबरके रकम पुनःस्थापनाके लाग छुट्टयागैल, उहीहे कार्यान्वयन कैनाके सट्टा बिनापूर्वतयारी मुक्तकमैयालगायतके सक्कु काम मूलतः ओरागैल आब बाँकी रहल बचल काम स्थानीय तहसे कैना कहिके एकाएक घोषणा करगैल ।

उहे समयसे समस्या समाधानके गति ठप्प हुइल बा", उहाँ कहलै । मुक्तकमैया, कम्लरी, हलिया ओ हरवाचरवावाके वस्तुस्थिति अध्ययन समितिके प्रतिवेदन, २०७८ से फेन उहे निष्कर्ष निकरले बा ।

उक्त प्रतिवेदनमे कहल बा, "पुनःस्थापनाके काम ओराइल अप्रत्याशित घोषणापाछे उ बरसके बाँकी बजेट फेन कार्यान्वयन हुइ नैसेकके अधिकांश स्थानमे फ्रिज हुइल । अइसीक पुनःस्थापनाकार्यके लाग पर्याप्त बजेट रहल बेला कमैया, हलिया, कम्लरी पुनःस्थापनाकार्य सम्पन्न कैना एक अमूल्य अवसर गुमल ।"

सघ सरकारसे जिम्मेवारी प्रदेश ओ स्थानीय तहमे गैल बटैटी आइल बा । तथापि, पुनःस्थापना, सीप विकास ओ जीविकोपार्जनके क्षेत्रमे सघीय सरकारके प्रतिनिधिके रूपमे स्थानीयस्तरमे सहजीकरणके काम हुइटी रहल कैलालीके प्रमुख जिल्ला अधिकारी हिरालाल रेग्मीके कहाइ रहल बा ।

"हम्रे मुक्तकमैया क्षेत्रमे क्रियाशील सघ संस्थाके व्यक्ति ओ अधिकारकर्मीके गुनासाअनुसार केन्द्र सरकारहे डेहे पर्ना सुझाव डेटी रहल बटी । क्षेत्रगत जिम्मेवारीअनुसार दायित्व निर्वाह करे परठ्", उहाँ कहलै । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे भर स्रोत ओ नीतिगत अन्योलताकाबीच अपने कार्यविधिसे काम करटी रहल जनाइल बा ।

भूमि व्यवस्था, कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयके सचिव शंकर साहके अनुसार प्रदेश सरकारसे विकास साझेदारसँगके सहकार्यमे कञ्चनपुरमे ५० घर निर्माण करसेकल बा ओ जीविकोपार्जन तथा तालिमके कार्यक्रम फेन सञ्चालन करटी रहल बा ।

उहाँ कहलै, "स्रोतसाधनलगायत कुछ नीतिगत अन्यौलता बावै, मने हम्रे अन्य विकास साझेदारसँग सहकार्य कैके पुनःस्थापनाके काम करटी रहल बटी । आर्थिक बरस २०८२/८३मे किल विकास विकास साझेदारसँगके सहकार्यमे कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा ओ बेलौरीमे ५० घर निर्माण करले बटी ।

इ बरस फेन उहीहे निरन्तरता डेटी थप घर बनैना योजना रहल बा । तालिम तथा जीविकोपार्जनके काममे फेन हम्रे सहयोग करटी रहल बटी ।" केन्द्र ओ प्रदेश सरकारसे ढेर जैसिन दायित्व स्थानीय तहमे हस्तान्तरण करले बा, मने स्थानीय तहके अपने बाध्यता बावै । "हमारसँग न पर्याप्त बजेट हो, न जग्गा वितरण कैना कानुनी अधिकार", जानकी गाउँपालिकाके अध्यक्ष गणेश चौधरी कहलै, "केन्द्र सरकारसे मुक्तकमैयाहे अन्य भूमिहीनसरह ठानके काम करेबर समस्या डेखल हो । विशेष कार्यक्रममार्फत समस्या समाधान कैना आवश्यक बा ।"

हाल मुख्य कैके तीन बरवार चुनौती बावै । परिचयपत्र होके फेन पुनःस्थापना प्याकेज नैपाइल, लालपुर्जा होके फेन श्रेस्ता कायम करल ओ डुबान, लडिया कटान वा अनुपयुक्त स्थानमे जग्गा पाइल परिवारके समस्या सम्बोधन ।

यकर लाग तीन तहके सरकारबीच स्पष्ट जिम्मेवारी बाँडफाँट ओ विशेष संयन्त्र आवश्यक रहल अधिकारकर्मीके कहाइ रहल बा । "मुक्तिके घोषणा कैना राज्यसे पुनःस्थापनाके अन्तिम जिम्मेवारी फेन स्पष्ट करे परल", अधिकारकर्मी चौधरी कहलै, "यकर लाग छुट्टे आयोग वा अधिकार सम्पन्न संयन्त्र आवश्यक बा ।"

अधिवक्ता भट्टराई फेन अधिकांश काम सम्पन्न होसेकल ओरसे बाँकी रहल परिवारके समस्या समाधान कैना ढिलाइ नैकरे पर्ना बटैठै । "अधिकांश काम सम्पन्न होसेकल बावै । ओकर लाग सरकारहे सक्कु जाने धन्यवाद डेटी रहल बटै, मने कम हुइलेसे फेन जे अधिकार नैपैले हुइट, उहाँहुक्रे टे राज्यसँग असन्तुष्ट हुइना हुइलै ओहेमारे उहीहे सम्बोधन कैना ढिलाइ नैकरे परल ।"

मुक्तकमैया डगौरा कहलै आभिन अक्के अपेक्षामे रहल बटै । "हम्रहीनहे एकदम माग ओ गुनासा रख्टी रहना मन नैहो", उहाँ कहलै, "हमार पुर्जा ओ श्रेस्ता मिला डेलेसे पुगठ् । राज्यसे मुक्त घोषणा करल जस्टे औरेक समस्या फेन समाधान करे परल । ओकरपाछे हम्रे फेन औरे नागरिकसरह अपने जीवन आघे बहाइ सेकब ।"

कमैया आन्दोलनसे नेपालसे बँधुवा श्रम कानुनी रूपमे अन्त्य करल, मने पुनःस्थापनाके अन्तिम चरणमे आके जिम्मेवारी बाँडफाँटसे नयाँ चुनौती जन्माइल डेखजाइठ् । ओहेमारे अब्बेक बहस मुक्तिके नैहो, अद्धुरा पुनःस्थापनाके अन्त्य कैसिक कैन कनामे केन्द्रित रहल बा ।

आब समस्या बाँकी नैहो कना सरकारी दाबी ओ समस्या आभिन बा कना मुक्तकमैयाके तथ्याङ्कबिचके वास्तविकता खोज्टी समस्या समाधान जोड डेना आवश्यक रहल अधिकारकर्मीके मत रहल बा ।

२६ औं कमैया मुक्ति दिवसमे १३ जाने योगदानकतहि सम्मान

पहुरा समाचारदाता

टिकापुर, २ सावन । २६ औं कमैया मुक्ति दिवसके अवसरमे कैलालीके टिकापुर नगरपालिका–१ शक्तिनगरमे शिबनगर, चमेलीपुर ओ शक्तिनगरके संयुक्त आयोजनामे विविध कार्यक्रममे साथ दिवस भव्य रूपमे सम्पन्न करल बा ।

पञ्चराम चौधरी के सभाध्यक्षतमे हुइल कार्यक्रमके प्रमुख अतिथि प्रतिनिधिसभा सदस्य माननीय कोमल झवाली रहल रहिट । विशिष्ट अतिथि सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके पर्यटन, वन तथा वातावरणके पूर्व मन्त्री माननीय लक्ष्मण किशोर चौधरी तथा सामाजिक विकासके पूर्व मन्त्री माननीय कैलाश चौधरी सहभागी रहिट ।

ओस्टेक करके टिकापुर नगरपालिका वडा नं. १ के वडा अध्यक्ष मोहन बि.क. लोहार, वडा नं. ४ के वडा अध्यक्ष लालबिर चौधरी वडा नं. ६ के वडा अध्यक्ष बलिराम चौधरी, कार्यपालिका सदस्य दिपक निसानी, मुक्त कमैया समाजके केन्द्रीय सचिव बल्लु चौधरी, मुक्त कमैया युवा जागरण समाजके केन्द्रीय सह सचिव चन्द्र प्रकाश चौधरी, मुक्त कमैया पुर्नस्थापना समस्या समाधान आयोगके पूर्व सदस्य दिपु चौधरी, मुक्त कमैया समाजके पूर्व अध्यक्ष प्रेम चौधरी, जिल्ला उपाध्यक्ष सीता चौधरी, मुक्त कम्लहरी विकास मञ्च कैलालीके अध्यक्ष बिन्दा चौधरी, मुक्त कम्लहरी विकास मञ्चके केन्द्रीय सदस्य रम्भा चौधरी, पूर्व जिल्ला सदस्य सेम प्रसाद चौधरी, मुक्त कमैया नगर समितिके पूर्व अध्यक्ष कालवीर चौधरी, नेकपा (एमाले) नगर समिति अध्यक्ष, पत्रकार, नेपाल प्रहरी, टमान संघ–संस्थाके प्रतिनिधि तथा स्थानीय सरोकारवालाहुकनके उल्लेखनीय उपस्थिति रहल रहे । कार्यक्रमके प्रारम्भमे कमैया मुक्ति आन्दोलनसे मुक्त कमैयाके पुनःस्थापनासम महत्त्वपूर्ण योगदान पुगौटी जीवन बलिदान करल शहिदप्रति एक मिनेट मौनधारण गरी श्रद्धाञ्जली अर्पण करल रहे ।

२६ औं कमैया मुक्ति दिवसको प्रतीकस्वरूप २६ ठो दीप प्रज्वलन तथा ब्यानर वाचन तथा उद्घाटन माननीय कोमल झवाली करल रहिट । कार्यक्रममे कालवीर चौधरी स्वागत मन्तव्य व्यक्त करल रहिट । कलेसे कार्यक्रमके सञ्चालन बन्धु प्रसाद चौधरी करल रहिट ।

वक्ताहुक्रे २०५७ साल सावन २ गतेके कमैया मुक्तिके घोषणाहे नेपालके सामाजिक न्याय ओ मानव अधिकारके ऐतिहासिक उपलब्धि हुइल उल्लेख करटी मुक्त कमैया समुदायके पूर्ण पुनःस्थापना, भूमि अधिकार, शिक्षा, रोजगारी, आवास ओ सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित कैना राज्यसे थप प्रभावकारी कदम चालेपर्नामे जोड डेहल रहे ।

यी अवसरमे कमैया मुक्ति आन्दोलन, पुनःस्थापना तथा समुदायके विकासमे उल्लेखनीय योगदान पुगुइया १३ जाने योगदानकतहि सम्मानपत्रसहित सम्मान करल रहे । सम्मानित व्यक्तित्वहुकनके योगदानके उच्च मूल्याङ्कन करटी आयोजकसे ओइनके समर्पण भावी पुस्ताके लाग प्रेरणादायी रहल जनैले बा ।

कार्यक्रममे समुदायके अग्रज, युवा, महिला, जनप्रतिनिधि तथा टमान राजनीतिक दल, सञ्चारकर्मी ओ सरोकारवालाके उत्साहजनक सहभागिताबीच सम्पन्न हुइल रहे ।

कृष्णसार...

कमजोर हुइटी जैना करठ । जिनके कमजोरीसे लम्बा समयसम बाँच्न गाह्रो हुइना करठ । ओस्टेक, सङ्ख्या वृद्धि हुइल प्राकृतिक रुप रोग बह्ना, खैना चिजके समस्या हुइना जनैले बा ।

शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके हिरापुरमे ६० हेक्टर क्षेत्रफलमे तारबार करके कृष्णसार राखल बा । एक सय हेक्टरसम क्षेत्रफल हुइलमे सहज हुइल सूचना अधिकारी वाग्ले बटैलै ।

उहाँसे कृष्णसारके अस्तित्व जोगाइना राखेक लग स्थानान्तरण आवश्यक रहल जनैटी अन्यत्र स्थानान्तरणके लग राष्ट्रिय निकुञ्ज ओ वन्यजन्तु विभागसे अध्ययन करना जानकारी देलै ।

"विभागसे उपयुक्त ठाउँमे निर्णय करलपाछे उहाँ कृष्णसार स्थानान्तरण करठी", उहा कहलै,"पर्यटनसंगे जोरके चितवनके राप्ती नगरपालिकासे फे १८ ठो लैजिना प्रक्रिया आघे बह्रल बा । छ महिनाभिटर लैजिना बाट बा ।"

नेपालमे सन १९७० के दशकओर कृष्णसार लोप हुइसेकल अनुमान करल रहे । मने, १९७५ मे बर्दियाके खैरापुरमे कृष्णसार देखलपाछे कृष्णसार संरक्षण ओ स्थानान्तरण करके सङ्ख्या बह्रैना कार्यके थालनी हुइल रहे ।

धनगढी...

वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न करल बा । उपमहानगरपालिकाके पहलमे सञ्चालन करल उ कार्यक्रम अन्तर्गत विद्यालय क्षेत्रहे हरियाली, स्वच्छ तथा वातावरणमैत्री बनैना उद्देश्य राखल बा । लगाइल बिरुवाके संरक्षणाके लाग ट्रीगार्डके व्यवस्था करल जनाइल बा ।

यी कार्यक्रमसे विद्यार्थी तथा स्थानीय समुदायमे वातावरण संरक्षणप्रति चेतना अभिवृद्धि कैनाके साथे विद्यालय परिसरके सौन्दर्य अभिवृद्धिमे टेवा पुग्न अपेक्षा करल बा ।

किड्स कप २०२६ के उपाधि लिटिल एन्जल्स स्कुलहे

पहुरा समाचारदाता

काठमाण्डौं, २ सावन । लिटिल एन्जल्स स्कुलसे रोमाञ्चक फाइनल खेलमे काष्ठमण्डप विद्यालयहे ३–२ गोल अन्तरसे पराजित करटी पहिल संस्करणके आईविबी किड्स कप २०२६ के उपाधि जिटले बा । फाइनल खेल अँटवार, १२ जुलाई २०२६ मे सम्पन्न हुइल रहे ।

आईविबी नेपालके आयोजनामे सम्पन्न उ प्रतियोगिता १० वर्षटरेक बाल फुटबल खेलाडीहुकनहे समेटके आयोजना करल अन्तरविद्यालय फुटबल प्रतियोगिता हो ।

फिफा विश्वकपके अवधारणासे प्रेरित प्रतियोगितामे ज्ञानोदय बालबाटिका स्कुल, डीएभी स्कुल, दरबार हाई स्कुल, प्राइम ग्लोबल स्कुल, काष्ठमण्डप विद्यालय, लिटिल एन्जल्स स्कुल ओ क्याम्पियन स्कुललगायत आठ विद्यालयसे आठ फरक देशके प्रतिनिधित्व करटी प्रतिस्पर्धा करल रहिट ।

यी अवधारणासे बाल खेलाडीहुकनहे प्रतिस्पर्धा, टिमवर्क, खेल भावना ओ उत्साहसे भरल छोट विश्वकपके अनुभव प्रदान करल रहे ।

लिटिल एन्जल्स स्कुल ओ काष्ठमण्डप विद्यालयबीच हुइल फाइनल खेल अत्यन्त प्रतिस्पर्धात्मक ओ रोमाञ्चक बनल रहे ।

लिटिल एन्जल्स स्कुलसे ३–२ के जित निकरटी आईविबी किड्स कप २०२६ के उपाधि उचालल कलेसे काष्ठमण्डप विद्यालय प्रथम उपविजेता बनल ।

समापन समारोहमे व्यक्तिगत रूपमे उत्कृष्ट प्रदर्शन कैना खेलाडीहुकनहे समेत सम्मान करल रहे । लिटिल एन्जल्स स्कुलके आशुतोष पाण्डे प्रतियोगिताके सर्वोत्कृष्ट खेलाडी (एमभीपी) घोषित हुइलै कलेसे काष्ठमण्डप विद्यालयके सम्राट विक्रम शाह उत्कृष्ट गोलरक्षकके उपाधि प्राप्त करलै ।

समापन समारोहके सम्माननीय अतिथि नेपाल खेलकुद पत्रकार मञ्चके अध्यक्ष निरञ्जन अधिकारीसे विजेता टोलीहे ट्रफी प्रदान करल रहिट ।

ओस्टेक करके, नेपाल खेलकुद पत्रकार मञ्चके प्रथम उपाध्यक्ष प्रज्वल ओली प्रतियोगिताके उत्कृष्ट खेलाडीहुकनहे व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान करल रहिट ।

उहाँ सर्वोत्कृष्ट खेलाडी (एमभीपी) तथा उत्कृष्ट गोलरक्षकके ट्रफी विजेताहे हस्तान्तरण करलै ।

समापन समारोहहे सम्बोधन करटी निरञ्जन अधिकारी यी पहलके प्रशंसा करटी बालबालिका तथा ग्रासरुट खेलकुदमे लगानीके महत्त्वउप्पर प्रकाश परलै ।

"हमार देशके लाग यैसिन कार्यक्रम आवश्यक रहे । यी हमार भविष्यके तयारी हो । यैसिन उत्कृष्ट कार्यक्रम आयोजना करलमे मै आईविबी नेपालहे धन्यवाद डेहे चाहठ्," उहाँ कहलै ।

उहाँ प्रतियोगितामे सहभागी सक्कु आठ टोलीके प्रदर्शनके समेत प्रशंसा करटी खेलाडीहुक्के प्रतियोगिताभर डेखाइल उत्साह, प्रतिभा ओ प्रतिस्पर्धात्मक भावनाके सराहना करलै ।

आईविबी किड्स कप २०२६ के औपचारिक सुरुवात ९ जुलाई २०२६ मे हुइल रहे । उदघाटन समारोहमे प्रख्यात हवाई उडयनकर्मी तथा सेलिब्रिटी क्याप्टेन विजय लामा प्रमुख अतिथिके रूपमे सहभागी हुइल रहिट ।

उदघाटन समारोहमे युवा खेलाडीहुकनहे सम्बोधन करटी क्याप्टेन विजय लामा ओइनके उत्साह ओ खेल भावनाके प्रशंसा करल रहिट ।

"यी एक अद्भुत कार्यक्रम हो । यी प्रतिभाशाली बालबालिकासे डेखाइल खेल भावना डेखके मै अत्यन्त प्रभावित हुइल बटु । ओइने हमार भविष्य हुइट ओ एक दिन ओइनहे फिफा विश्वकपमे खेल्टी रहल हेरे पैना आशा करटी," उहाँ कहलै ।

आईविबी किड्स कप २०२६ के सफल समापनसे बालबालिका, विद्यालय, परिवार ओ समुदायसंग आईविबी नेपालके सहकार्य ओ संलग्नतामे एक ठो महत्वपूर्ण उपलब्धी थपल बा ।

विजेता निर्धारण कैना केल्ह प्रतियोगिताके उद्देश्य नैरहे, यी युवा खेलाडीहुकनहे प्रतिस्पर्धा कैना, मित्रता निर्माण कैना, आत्मविश्वास विकास कैना तथा टिमवर्क ओ निष्पक्ष खेलके मूल्यहुक्के अनुभव कैना महत्वपूर्ण मञ्च प्रदान करल रहे ।

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

सुदूरपश्चिममे फेनसे बजेट 'होलिडे'

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेशमे फेनसे बजेट शून्यता (होलिडे) मे पुगल बा ।

आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के लाग असार १ गते आर्थिक मामिला मन्त्री विक्रमसिंह धामीसे प्रस्तुत करल बजेट अन्ततः असार मसान्तसम पारित हुइ नैसेकल । अपनहे लानल बजेट सरकारसे पारित करे नैसेकलपाछे सावन १ गतेसे प्रदेश सरकारसँग खर्च कैना कानुनी आधार समाप्त हुइल बा ।

सत्तारुढ दल नेकपा एमालेसे बजेट प्रस्तुत हुइटी किल बजेटप्रति असन्तुष्टि व्यक्त कैटी पुनर्लेखनके माग करल रहे । एमालेसँगके सहकार्यके डगरा बन्द हुइटी गैलपाछे मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह एमालेके चार मन्त्रीहे हटाइल रहिट ।

एमाले फेन उहे दिन समर्थन फिर्ता लेहलपाछे सरकार अल्पमतमे परल हो । एमालेके समर्थन फिर्तापाछे अल्पमतमे परल सरकारसे बजेट पास कराइक लाग नेपाली कम्युनिष्ट पार्टी (नेकपा) के साथ नैखोजल नैहो, मने नेकपासे फेन अब्बेक बजेट यथास्थितिमे पारित करे नैसेकजैना बटाइलपाछे सरकारसे समयमे बजेट पारित कराइ नैसेकल ।

बजेटसम्बन्धी विधेयक पारित हुइ नैसेकलपाछे सरकारसे शुखसे कौनो फेन शीर्षकमे खर्च करे पैना नैहो । यद्यपि सामयिक राजस्व संकलन ऐन, २०८१ अनुसार राजस्व संकलन ओ नियमित सेवा प्रवाह भर जारी रहना बा ।

बजेट फेल हुइना निश्चित हुइलपाछे सरकारसे बजेट पारितके प्रयास नैकैके प्रदेशहे बजेट शून्यतामे पुगाइल नेकपा एमालेके आरोप रहल बा ।'सरकारके अकर्मण्यताके कारण बजेट फेल हुइल बा । बजेट शून्यतामे लागके सरकार असफल होसेकल बा। आम नागरिकहे पर्ना समस्याके जिम्मेवार सरकार हो,' एमाले संसदीय दलके नेता राजेन्द्रसिंह रावल कहलै, 'बजेट फेल होके सरकार फेल होसेकल बा । आब मुख्यमन्त्री मार्गप्रशस्त करे परल ।'

प्रमुख प्रतिपक्ष नेकपाके संसदीय दलके नेता खगराज भट्ट फेन साझा समस्या समाधानके लाग सरकारसे औपचारिक पहल नैहुइल बटैलै ।

'उहाँहुक्नके लानल बजेट उहाँ ओइनके आन्तरिक विवादके कारण रुकल, ' भट्ट कहलै, 'पेस्की खर्चजैसिन विषयमे सहकार्य कैना हम्रे तयार रही । मने बिफेक रोज सकारे छलफलमे फेन उहाँहुक्के पुराने बजेट पारित कैडेना आग्रह करलै, जौन सम्भव नैरहे । हम्रे उ बजेट सुरुसे नै बेथितिपूर्ण कहल रही ।'

सरकारके बहुमतके लाग २७ सांसद आवश्यक परी । कांग्रेससँग १८ ओ एमालेसँग ११ सांसद रहल बटै । गठबन्धन भट्कलपाछे सरकारसँग बजेट पारित करैना आवश्यक बहुमत फेन नैहो ।

अइसीन बेला अध्यादेशमार्फत पेस्की बजेट लानके सरकारसे चालुओरके खर्च कैना वातावरण सिर्जना करे सेक्ना विकल्प हुइटी हुइटी फेन नैकैके खर्च कैना डगरा नै बन्द हुइल बा । बजेट फेल हुइना निश्चित हुइलपाछे बजेट शून्यता पहिलचो भर नैहो ।

इहीसे आघे फेन आर्थिक बरस २०८१/८२ के बजेट समयमे पारित हुइ नैसेकके प्रदेशले करिब तीन महिना बजेट शून्यताके अवस्था बेहोरल रहे ।

कृषि उत्पादनमा आत्मनिर्भर बनौं

- आधुनिक प्रविधिको प्रयोग गरी कृषि उत्पादन वृद्धि गरौं,
- कृषकलाई आवश्यक मल, बीउ समयमै उपलब्ध गराऔं,
- स्थानीय उत्पादनलाई बजारसम्म पुऱ्याउन बजार संयन्त्रको विकास गरौं,
- कृषकलाई सीप, तालिम र सहुलियतपूर्ण ऋण उपलब्ध गराऔं,
- जमिनको संरक्षण गरौं, खेतीयोग्य भूमिको सदुपयोग गरौं,
- कृषि उत्पादन बढाऔं र कृषि उपजमा आत्मनिर्भर बनौं,
- नवीन प्रविधि र अवसर उपलब्ध गराई युवाहरूलाई कृषिमा आकर्षित गरौं।

कृषि पेशा प्रति सम्मान र गौरव गरौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- बर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु बिशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।

कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- बर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु बिशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।

भजनी नगरपालिका
४ नम्बरको कार्यालय
खैलाड, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Provide Health Related Services

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
➤ आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९